19/12/17	पी. ओ. साहब अवकाश / दौरे पर है। पत्रावली गत आदेशानुसार दिनांक 13-2-18 को पेश हो।	बाद बहस स्वीकार कि वाद के निवेदन है कि कोई एक रखे। प. दर्ज नस्त
14/2/18	दि. 13/2/18 को राजकीय अवकाश होने के कारण आज पत्रावली पेश हुई है पी०ओ० साहब अन्य राज कार्य में व्यस्त है। अतः पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 20/3/18 को पेश है।	
20/3/18	पत्रावली पेश हुई है पी०ओ० साहब अन्य राज कार्य में व्यस्त है। अतः पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 1-5-18 को पेश है।	
01.05.18	पत्रावली पेश [illegible] गण की जरिये नोटिस तामील हुआ, प्रतिवादी संख्या 02 है। प्रतिवादी संख्या 1 लगा. 04 की और नोटिस प्राप्त किया, आवाज लगवाई गई, बावजूद नोटिस तामील प्रतिवादी गण अनुपस्थित है प्रतिवादी गण की [illegible] जाती है। प्रति. 06 व 7 की और परीक्षा [illegible] ने [illegible] किया, वादी को [illegible] सुनी जाना, वादी वाद, [illegible] सहमति अथवा [illegible] मीरा [illegible]	

फर्द अहकाम

बनाम

ांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	किया जा चुका है। प्रार्थना T.I. पर भी वकील प्रार्थी को एकतरफा सुना गया। बाद बहस प्रार्थी का प्रार्थना T.I. स्वीकार किया जाकर उभयपक्ष को वाद के अंतिम निर्णय तक अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वादग्रस्त भूमि के राजस्व रिकार्ड एवं मौके की यथास्थिति बनाये रखे। पत्रावली मिसल शुमार होकर दर्ज नम्बर से कम हो।	

Scanned by CamScanner